

चोरियों का खुलासा नहीं, पुलिस के खिलाफ धरने पर बैठे लोग

25 अगस्त तक चोरी के खुलासे के आश्वासन पर धरना समाप्त

पावटा। भाबर थाना क्षेत्र के भाबर ग्राम में 18 जुलाई शुरुवार को एक ही रात में तीन घरों में हुई लाखों रुपए की चोरी की वारदात का खुलासा नहीं होने से नाराज लोगों ने पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए व आक्रोश जताते हुए भाबर थाना पुलिस के सामने धरने पर बैठ गए व प्रदर्शन कर चोरी की घटनाओं का खुलासा करने की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि 18 जुलाई की रात को चोरों ने 3 घरों में संधमारी करते हुए लाखों के सोने चांदी के जेवरात और नकदी चुरा ली। वारदात के 20 बीत जाने के उपरांत भी पुलिस प्रशासन द्वारा किसी प्रकार का कोई प्रयास नहीं किया गया। उन्होंने पुलिस और चोरों के बीच सांठगांठ होने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई नहीं करने की बात कही। नाराज लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए थाना अधिकारी से चोरी की घटनाओं का खुलासे की मांग की। वही धरने के दौरान विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि क्षेत्र में चोरों व अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

पुलिस चोरी की घटनाओं व अपराधों को रोकने में नाकाम साबित हो रही है। इतनी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद चोर शांतितराना



पावटा में चोरी का खुलासा नहीं होने पर ग्रामीणों ने धरना दिया।

- पुलिस चोरी की घटनाओं व अपराधों को रोकने में नाकाम : इंद्राज गुर्जर
- धरने के दौरान विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि क्षेत्र में चोरों व अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। पुलिस चोरी की घटनाओं व अपराधों को रोकने में नाकाम साबित हो रही है। इतनी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद चोर शांतितराना अंदाज में चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं कहीं ना कहीं यह क्षेत्र पुलिस की नाकामी है, और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

अंदाज में चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं कहीं

ना कहीं यह क्षेत्र पुलिस की नाकामी है, और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। अब देखने वाली बात होगी की भाबर थाना पुलिस इन चोरी की घटनाओं का खुलासा कब तक करती है। वही पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर के नेतृत्व में 7 लोगों जिसमें रामचंद्र मीणा लुहाकना, सुरेश गिटाला, मेहर सिंह धनकड, कैलाश ताखर, प्रहलाद, सुरेंद्र, हनुमान डीओ शामिल रहे।

भाबर थाना प्रभारी अंकित

सामरिया से वार्ता की गई। इस दौरान भाबर थाना प्रभारी अंकित सामरिया ने चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए 22 अगस्त तक का समय मांगा जिस पर पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर सहित 7 सदस्यीय टीम व ग्रामीणों ने पर्वों को लेकर तीन दिन का समय अपनी तरफ से देते हुए 25 अगस्त तक का समय दिया।

इस आश्वासन के बाद ग्रामीणों द्वारा धरना प्रदर्शन समाप्त किया गया। गौरतलब है कि भाबरू थाना पुलिस को दी शिकायत में ग्राम भाबर में किशनलाल के घर से चोर सीडी लगाकर घर में घुसे और विवाहिता के कमरे की कुंडी लगाकर ताला तोड़ा।

यहां से तीन सोने के मंगलसूत्र, तीन जोड़ी कड़ी, नथ, टीका, कंगन और अंगूठी समेत करीब 4 लाख रुपए के जेवरात चुरा लिए। वही दूसरी वारदात में चोरों ने रवि कुम्हार के घर से करीब हाई लाख रुपए के जेवरात चोरी किए। चोरों ने यहां बाहर की कुंडी लगाकर चोरी को अंजाम दिया। तीसरी वारदात में एक पत्रकार पंकज कौशिक के घर का ताला तोड़कर उनकी बाइक चुरा ली थी। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों सहित महिलाएं मौजूद रही

निगम की कार्रवाई के विरोध में व्यापारियों ने दुकानें बंद की

अजमेर, 07 अगस्त (कासं)। नगर निगम द्वारा परकोटा क्षेत्र के कड़क्का चौक में बुधवार देर शाम को जर्जर घोषित एक भवन को गिराने की कार्रवाई के बाद विवाद गहरा गया। गुरुवार को स्थानीय व्यापारियों और क्षेत्रवासियों ने निगम प्रशासन पर बिना पूर्व सूचना या नोटिस के कार्यवाही करने का आरोप लगाया। नागराज व्यापारियों ने दुकानें बंद रखकर धरना देकर विरोध जताया। उन्होंने आरोप लगाया कि जर्जर दुकानों को गिराने की कार्रवाई से न केवल नुकसान पहुंचा, बल्कि पास की पांच मंजिला इमारत भी असंतुलित होकर झुक गई, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

कड़क्का चौक व्यापारिक एसोसिएशन के पदाधिकारियों के नेतृत्व में गुरुवार को क्षेत्र के व्यापारियों ने अपनी अपनी दुकानें बंद रखकर और धरना देकर निगम इस कार्यवाही के खिलाफ विरोध जताया। व्यापारियों का कहना है कि निगम अधिकारियों और पार्षद की कथित मिली भगत से सुरक्षित इमारत को जर्जर बताकर गिरा दिया गया, जिससे आसपास के मकानों को खतरा भी उत्पन्न हो गया है। पूर्व पार्षद एवं एसोसिएशन अध्यक्ष कैलाश सोनी ने आरोप लगाया कि जर्जर भवन बताकर जो बिल्डिंग गिराया जा रहा था, उस समय मौके पर कोई भी तकनीकी अधिकारी मौजूद नहीं था। कार्मिकों ने जेसीबी मशीन चलाई गई, इसके बाद तीन से चार दुकानों में भारी नुकसान हुआ है। दुकानदार सुनील लड्डा ने बताया कि जिस इमारत को तोड़ा गया उसमें उनकी दुकान थी, जो पूरी तरह सुरक्षित थी। अब उसके पास स्थित पांच मंजिला बिल्डिंग हवा में झूल रही है और कभी भी गिर सकती है।

इसी सत्र से मिलेंगे एडमिशन, हर स्कूल में टीचर के दो पद भी मिले

है। स्कूल भवन बनाने के लिए जन सहयोग का प्रयास होगा। अगर जनसहयोग नहीं मिलता है तो समग्र शिक्षा अभियान, नाबार्ड या फिर एमपी-एमएलए के कोटे से भवन का निर्माण होगा। फिलहाल इसी सत्र से स्कूल शुरू करने के लिए शिक्षा विभाग ने दो-दो टीचर के पद दिए हैं। ये नप पद नहीं है बल्कि जिलों में पहले से रिजर्व पदों का ही आवंटन किया गया है। नए खुले स्कूल में टीचर की व्यवस्था मुख्य ब्ॉक शिक्षा अधिकारी को करनी होगी। इसके लिए ब्ॉक शिक्षा अधिकारी अपने क्षेत्र के उन टीचर को हटायेगा, जिनके यहां नामांकन कम है और टीचर अधिक है। ऐसे टीचरों को प्राथमिकता से नए स्कूल में भेजा जाएगा। राजस्थान में वर्तमान में 19 हजार 600 सीनियर सैकंडरी स्कूल है, वहीं 48 हजार स्कूल प्राइमरी व अपर प्राइमरी स्तर के हैं।



कार्यालय अधिशाषी अभियंता,
जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड कोलायत

क्रमांक-1364

दिनांक-05.08.2025

Corrigendum-2 of Nit: 16-26/2025-26

Corrigendum-2 is hereby issued for NIT 16-26/2025-26. Registered interested bidders are invited to participate upto 12.08.2025 at 14.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.raajasthan.nic.in & "http://eproc.raajasthan.gov.in" of the state.

अल सीमित है, इसकी बचत करें।

(धर्मेन्द्र कुमार)

अधिशाषी अभियंता

जन स्वा अभि विभाग, खण्ड कोलायत

DIPRC/11171/2025



अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

अधीनस्थ, डिप्टी सचिव, अजमेर, Email: ajmerdeva@gmail.com, Website: www.raajasthan.gov.in/ada, Tel.No.: 0145-2627748-2627749

क्रमांक - अ.विभा./A.2/विकास/2025-26/राजकाय 16991542

दिनांक - 06/08/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 23/2025-26

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से जारी विभिन्न कार्यों की अनुमानित लागत राशि 149.67 लाख की ई-निविदा दिनांक 21.08.2025 सां. 08:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट (<http://eproc.raajasthan.gov.in>) एवं (<http://sppp.raj.nic.in>) <http://www.urban.raajasthan.gov.in/ada> पर देखा जा सकता है।

UBN No.: AJD2526WSOB008083 - 92

अधिशाषी अभियंता

अजमेर विकास प्राधिकरण

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति समनारिया जिला बायं (राज.)

क्रमांक - 219 - 232

दिनांक - 05/08/2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति, समनारिया द्वारा आई.टी. उपकरण हेतु रजिस्टर्ड प्रतिष्ठित फार्म / अधिकृत डीलरों / विक्रेताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट (www.eproc.raajasthan.gov.in) के माध्यम से ऑनलाईन ई-निविदाएं दिनांक 17.08.2025 को सायं 5:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बंधित विस्तृत विवरण www.sppp.raajasthan.gov.in, www.eproc.raajasthan.gov.in व विभागीय पोर्टल agriculture.raajasthan.gov.in/mandi पर भी देखा जा सकता है। निविदा की अनुमानित कुल लागत 15.00 लाख रु. है। UBN No.: DAM2526WSOB00594

सचिव

कृषि उपज मण्डी समिति, समनारिया



RajCOMP Info Services Limited (RISL)

C-Block, 1st Floor, Vojana Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur

RISL द्वारा निम्न ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

NIB No. / Date/ Unique bid no.	Particulars	Estimated Cost / EMD	Start of Sale / Last Date
25217005/05.08.2025	Selection of Agency for Providing Project Support Unit (PSU) for e-Governance Initiative.	Rs. 80 Lacs/-	05/08/2025
RIS2526LSOB00023		Rs. 1,60,000/-	08/09/2025

विस्तृत जानकारी हेतु इन वेबसाइट पर समर्क करें - <http://risl.raajasthan.gov.in>, <http://sppp.raajasthan.gov.in>, <http://doitc.raajasthan.gov.in> and <http://eproc.raajasthan.gov.in>

क्र.सं. UBN No.

1 DLB2526WSOB13921

राज.सं.वाद./सी/25/7733

SA (Joint Director)

कार्यालय नगर पालिका मांगरोल, जिला-बारां (राज0)

क्रमांक - न.पा.मा. / 2025 / 2133

दिनांक 04.08.2025

ई निविदा सूचना वर्ष 2025-26

NIB CODE- DLB2526A4417

नगर पालिका मांगरोल द्वारा सिविल कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मों से 10 कार्यों को मोहरवर्ग Online निविदा (तकनीकी व वित्तीय दोषलक्षा पद्धति) आमंत्रित की जाती है। निविदा Online दिनांक 07.08.2025 से 22.08.2025 तक प्राप्त कर दिनांक 26.08.2025 को खोली जायेगी। निविदा संबंधी विवरण का अवलोकन नगर पालिका मांगरोल कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को देखा जा सकता है।

कार्य का विवरण www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है एवं कार्य की व्यवस्थापन निविदा <http://eproc.raajasthan.gov.in> पर ही प्राप्त की जावेगी।

क्र.सं. UBN No.

1 DLB2526WSOB13921

राज.सं.वाद./सी/25/7733

अधिशाषी अधिकारी

नगर पालिका मांगरोल



बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मां, बीकानेर (राजस्थान) के फोन :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905

E-Mail address :- nagam@bikanernagar.org, Web Site :- www.bikanernagar.org

क्रमांक / निर्माण / 2025 - 26 / 13985

दिनांक 05.08.2025

ई- निविदा-सूचना सं0 84/2025-26

नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यों (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अधिनियमों के अन्तर्गत निविदाओं में पंजीकृत संवेदकों के लिए नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बंधित विवरण वेब साईट www.bikanernagar.org Web site www.sppp.raj.nic.in से व <http://eproc.raajasthan.gov.in> पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत 40.00 लाख

UBN Number :- DLB2526WSOB13763

राज.सं.वाद./सी/25/7703

आयुक्त

नगर निगम, बीकानेर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर

क्रमांक-अग्र/सांचौर/2024-25/1463

दिनांक-29.07.2025

निविदा सूचना संख्या-08/2025-26

NIB NO.: PWD2526A2306

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से राजकीय उचित चिकित्सालय बीकानेर में सार्वजनिक निर्माण विभाग राज्यस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संशोधन/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, पंजीकृत राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य निष्पत्तीगत राशि रु. 78.84 लाख है।

निविदा के अंतर्गत 30 जुलाई 2025, 9:30 बजे से 11 अगस्त 2025, प्रातः 6.00 बजे तक निविदा से सम्बंधित विवरण वेब साईट <http://dipr.raajasthan.gov.in> व <http://sppp.raajasthan.gov.in> पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया <http://eproc.raajasthan.gov.in> पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर पर रजिस्टर्ड कवाना आवश्यक है। कार्यवत् यू.बी.एन. संख्या निम्नानुसार है।

UBN NO.-1. PWD2526WSOB08464, 2. PWD2526WSOB08465, 3. PWD2526WSOB08466, 4. PWD2526WSOB08468, 5. PWD2526WSOB08472, 6. PWD2526WSOB08476

(प्रदीप पंतार)

अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड सांचौर

कार्यालय प्रमुख चिकित्सा अधिकारी एवं पदेन सचिव राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी राजकीय जिला चिकित्सालय दौसा (राज.)

क्रमांक-स्टैंडर्ड-ई-निविदा/2025/5013

दिनांक-31.07.2025

ई-बोली आमंत्रण सूचना 04/2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से राजकीय जिला चिकित्सालय दौसा द्वारा वित्तीय वर्ष 2025 के लिये निम्नलिखित सामग्री/संसाधन के उपपन्न हेतु ईच्छुक निविदादाताओं, पंजीकृत अनुभवीताओं एवं सेवा प्रदाता निम्नलिखित से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र. उपपन्न की विवरण वस्तु

राशि (लाखों में)

UBN NO.

1 राजकीय जिला चिकित्सालय दौसा हेतु आर्थोपेडिक विभाग में Arthroscopy Implants सर्व्स एवं रॉबोटिक्स

90.00

MH252626LRC03122

2 राजकीय जिला चिकित्सालय दौसा हेतु आर्थोपेडिक विभाग में Normal Implants सर्व्स एवं रॉबोटिक्स

90.00

MH252626LRC03121

3 मेडिकेयर/रेलवे/रेलवे चिकित्सालय दौसा हेतु आर्थोपेडिक सर्व्स एवं रॉबोटिक्स

95.00

MH252626LRC03125

4 रेडियोलॉजी, कैंसर रोल, गैंग्रान, सैन्टरी पेडस एवं कैंसर/चिकित्सालय आर्टिफिशियल दाँत सर्व्स

50.00

MH252626LRC03123

5 टैक्स से जुट आर्गुमेंट्स एवं दाँत सर्व्स

12.00

MH252626WSRC03120

विस्तृत जानकारी निम्नलिखित प्रपत्र एवं सर्वे निर्धारित लिंक व समय तक <http://eproc.raajasthan.gov.in>, <http://sppp.raajasthan.gov.in> से डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता है।

प्रमुख चिकित्सा अधिकारी एवं पदेन सचिव

आर.एम.आर.एस., जिला चिकित्सालय दौसा (राज.)

34

35

36

37

38

39

40

41

42

43

44

45

46

47

48

49

50

51

52

53

54

55

56

57

58

59

60

61

62

63

64

65

66

67

68

69

70

71

72

73

74

75

76

77

78

79

80

81

82

83

84

85

86

87

88

89

90

91

92

93

94

95

96

97

98

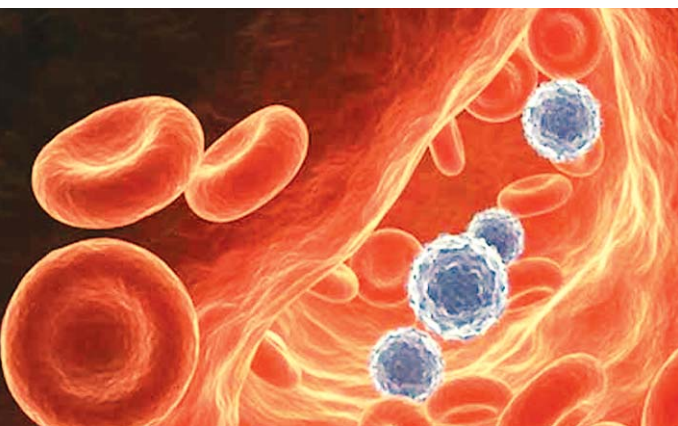
99

100

#RARITY

An Unknown Blood group Just Found

World's First Rare Blood Group Discovered in Bangalore Woman: A Historic Medical Breakthrough



In a groundbreaking medical discovery, scientists have identified a previously unknown rare blood group antigen in a 38-year-old woman from Karnataka's Kolar district. This unprecedented finding emerged when the woman, initially typed as O Rh-positive, the most common blood group, required a cardiac surgery. However, none of the available standard O-positive blood units were compatible with her blood, signaling an unusual blood type.

The case was referred to the Rotary Bangalore TTK Blood Centre's Advanced Immunohematology Reference Laboratory, where advanced serological testing revealed her blood was 'pan-reactive,' reacting with all donor samples tested. Despite testing 20 family members, no compatible match was found. The woman's surgery was successfully completed without a transfusion, and her blood samples were sent to the International Blood Group Reference Laboratory (IBGRL) in Bristol, UK for further analysis.

After ten months of meticulous research and molecular testing, international experts confirmed the presence of a new antigen within the Cromer (CR) blood group system. Named CRIB, with 'CR' representing Cromer and 'IB' denoting India, Bangalore, this discovery marks the first-ever identification of the antigen worldwide. The announcement was made at

the 35th Regional Congress of the International Society of Blood Transfusion (ISBT) held in Milan, Italy, in June 2025. The Rotary Bangalore TTK Blood Centre has since established a Rare Donor Registry in partnership with Karnataka State Blood Transfusion Services, IIH (ICMR, Mumbai), and the International Society of Blood Transfusion to support patients with rare blood types like CRIB.

Dr. Ankit Mathur of the Rotary Centre highlighted the significance of this discovery: "This breakthrough reinforces India's important contribution to rare blood group research. We have successfully managed multiple rare blood cases in the past, such as Rh null and In B negative types, all recognized internationally."

Rare blood groups like CRIB pose serious challenges in transfusions, organ transplants, and surgeries worldwide. Identifying new antigens improves transfusion safety by enhancing compatibility testing and donor matching. This discovery places India at the forefront of global immunohematology research and paves the way for improved healthcare outcomes, greater awareness, and innovative treatments for rare blood types.

This historic finding underscores the importance of continuous innovation in blood science, showing that routine medical procedures can sometimes lead to breakthroughs with far-reaching global impact.



Kamakhya Yoni.



Ambubachi Mela.



Kamakhya Temple.

Many legends still persist on the curse of Kamakhya on the Cooch Behar royal family. Gayatri Devi's brother Jagaddipendra Narayan met with a fatal accident just a few days after he visited Guwahati. Her nephew Virajendra Narayan, and the Rajmata of Kota's brother also died a few days after visiting Gauhati. It is also said that while visiting a photographic exhibition in Jaipur, the Rajmata Gayatri Devi accidentally cast her eyes on a photograph of Kamakhya temple. Possibly, this was one of the reasons for her 'falling out' with the then Prime Minister, Indira Gandhi during the Emergency of 1975, which further led to her temporary incarceration in Tihar jail along with common criminals.

Come To Her Only With Devotion



It was late 1970, and we, of the Hunter strike Squadron, were based in Hasimara, to the east of Bengal. Active fighter flying would take place in well demarcated sectors, all of which had 'holding points.' Two important holding points were Cooch Behar (Charlie Bravo) and Alipur Duar (Alpha Delta). Once we were tasked to carry out a detachment at Gauhati, which we were all looking forward to. However, our tea club major domo, Balbir, refused to accompany us, as long as any Bengali from Charlie Bravo was part of the detachment. When asked to explain, Balbir came out with the story of Kamakhya Temple in Gauhati and the cure of the Goddess Kamakhya on the Cooch Behar Royal Family. It is said that Nara Narayan (of Cooch Behar Royal Family) was told by his brother Sukladhwaja that the Goddess visits her temple at night and performs a dance. They convinced the priest to let them in at the night and see the dance. This angered the Goddess Kamakhya, who killed the priest and cursed the Royal family of Cooch Behar that they and their descendants would never have the



Kamakhya temple.

sight of her again. Maharani Gayatri Devi, being a member of the Royal family, was impacted by this curse, leading her to avoid this temple and even change flight routes to avoid Gauhati when overflying this route. Even when bypassing Gauhati altogether, the Maharani would close her eyes and cover her face with her pallu. Balbir also warned us, that in Gauhati, we should never measure dawn by the crow of a rooster and instead use our Alarm Clocks. This is due to the legend of Narakasura, a demon king who was a devotee of the Devi. Many legends still persist on the curse of Kamakhya on the Cooch Behar royal family. Gayatri Devi's brother Jagaddipendra Narayan met with a fatal accident, just a few days after he visited Guwahati. Her nephew Virajendra Narayan, and the Rajmata of Kota's brother, also died a few days after visiting Gauhati. It is also said that while visiting a photographic exhibition in Jaipur, the Rajmata Gayatri Devi accidentally cast her eyes on a photograph of Kamakhya temple.

The Kamakhya Temple and the associated Ambubachi Festival revolves around a natural process in women 'menstruation.' This natural phenomenon continues to be shrouded in stigma and restrictive behaviour in many parts of India, but in Assam, they buck this trend in the strongest possible way with worship.

Possibly, this was one of the reasons for her 'falling out' with the then

Prime Minister, Indira Gandhi during the Emergency of 1975, which further led to her temporary incarceration in Tihar jail along with common criminals.

The Kamakhya Temple and the associated Ambubachi Festival revolves around a natural process in women 'menstruation.' This natural phenomenon continues to be shrouded in stigma and restrictive behaviour in many parts of India, but in Assam, they buck this trend in the strongest possible way with worship. Here, menstruation is not avoided, but celebrated and honoured. Here, the natural process of a women's body is revered as sacred, a sharp contrast to the hush and taboo that usually greets it elsewhere. The Ambubachi festival, held during the menstrual cycle of the Goddess, gives respect to fertility, rebirth and the protective forces of nature. Historically, it is also a period when agricultural activities

#KAMAKHYA



Kamakhya Devi temple.



The garbhagriha.

Kamakhya is described as the yielder of all desires, the young bride of Shiva and the giver of salvation. Shakti is known as Kamakhya. Tantric rituals are basic to worship her. There exists a tradition among the priests that the Garos, a matrilineal people worshipped the earlier Kamakhya site by sacrificing pigs.

Durga. The origin of this temple involves the myth of Sati, the wife of Lord Shiva, who sacrificed herself on a fire after her father insulted Shiva. A grief-stricken Shiva carried her body and started performing his mighty *Ugra Tandava* or Dance of Death. To restore balance, Lord Vishnu dismembered the body of Sati with his Sudarshana Chakra. The places where her body parts fell became *Shakti-Peethas*. It is believed that Sati's Yoni (genitals and womb) fell on Nilachal hill, where the temple is now located. Another legend connects the temple's origin to Lord Kamdev, the God of Love, who regained his beauty and lost powers after finding Sati's Yoni there. The name 'Kamakhya' is said to be derived from this event as the place where Kamdev found the missing parts of his body. This is one of the 51 Shakti Peethas and is well known for its association with the Goddess of Divine feminine

power and fertility. This temple is famous for the Ambubachi Mela, an annual festival that celebrates the Goddess' menstrual cycle, which is believed to be a time of intense energy and power.

Kamakhya is described as the yielder of all desires, the young bride of Shiva and the giver of salvation. Shakti is known as Kamakhya. Tantric rituals are basic to worship her. There exists a tradition among the priests that the Garos, a matrilineal people worshipped the earlier Kamakhya site by sacrificing pigs.

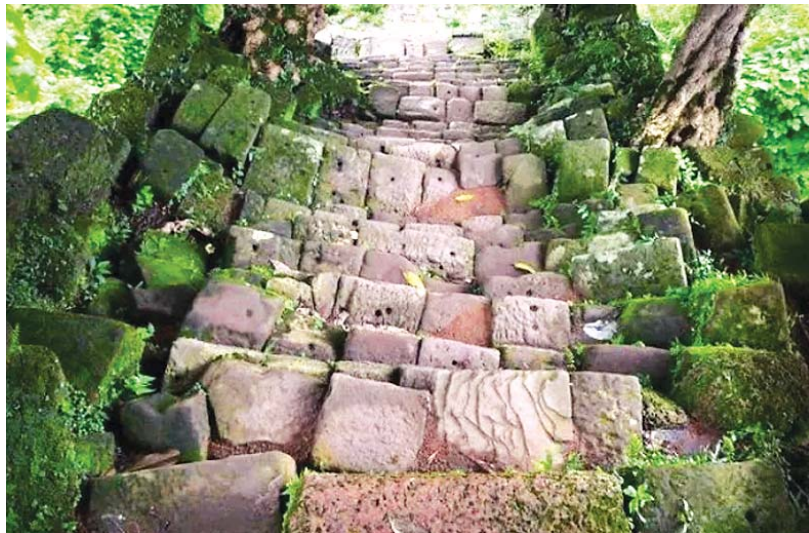
According to the *Kalika Purana*, Kamakhya temple is the spot where Sati used to retire in secret for a carnal union with Shiva. One of the most intriguing aspects of the Kamakhya Mandir is the Ambubachi Mela, a unique festival

local beliefs, during this time, the goddess undergoes her annual menstrual cycle and the temple remains closed for three days every year. Devotees consider this period highly auspicious, believing that the Earth becomes fertile and much more receptive to prayers. The waters of the nearby Brahmaputra River are said to turn red, symbolizing the Goddess' sacred menstruation. Pilgrims from far and wide gather to witness and participate in this profound spiritual phenomenon, seeking blessings of fertility, prosperity and spiritual renewal.

During the Ambubachi Mela festival, a white cloth is placed near the Yoni of the deity. After three days, the cloth turns red due to Goddess' menstruation. This red cloth is then cut into smaller pieces and given to the devotees as a sacred offering. This red cloth is known as the *Ambubachi Vastra*, and is believed to be soaked in the Devi's menstrual fluid.

There is an ancient tale which goes like this, Narakasura proposed to the Goddess, who to avoid marrying him, set a challenge for him to build a staircase from the bottom of the hill to the temple in one night. Narakasura almost succeeded, but the Goddess tricked him by making a rooster crow before dawn, causing him to abandon the work. The remnants of the unfinished staircase known as *Mekhelatija path* can still be seen at the temple. A devoted and pious Hunter Pilot can also see it from the air.

That celebrates the menstruation of Goddess Kamakhya. According to



The incomplete stairs.

#GLOBAL SOUTH

"Global Trade Earthquake" - Oprah

Oprah Winfrey highlights India's Historic Shift in Global Trade Strategy, signaling a New Global Order.



In a powerful and deeply motivational 23-minute speech, global media icon Oprah Winfrey laid bare India's bold and historic decision to reshape its global trade alliances by ending its long-standing dependency on Western powers, particularly the United States. Instead, India is forging closer ties with Russia and China, signaling a significant realignment in international relations. This move, as Oprah emphasized, transcends economics, it is a powerful declaration of sovereignty, self-respect, and the emergence of a new world order led by the Global South.

Oprah's speech masterfully blends geopolitical insight with a stirring call to national dignity. She framed India's decision as a 'global trade earthquake,' shaking the foundations of a system long dominated by Western nations. For decades, India maintained economic and diplomatic ties heavily influenced by the West, but recent moves to diversify its trade partners, shaking the foundations of a system long dominated by Western nations. For decades, India maintained economic and diplomatic ties heavily influenced by the West, but recent moves to diversify its trade partners,

One of the most compelling sections of the speech explored why India said 'No' to America. Oprah detailed how India's leadership faced pressure to conform to Western expectations and policies, but chose instead to prioritize national interests and sovereignty. Rejecting this external pressure was not easy, it required courageous leadership and unwavering resolve. This refusal to bow underlines a new era where nations like India assert control over their destiny, unshackled by former



INDIA END TRADES WITH AMERICA



MOTIVATIONAL VIDEO BY OPRAH WINFREY

dependencies. The speech further highlights the rise of a multipolar world, one where global power is no longer monopolized by a few Western countries but distributed among emerging powers like India, Russia, and China. Oprah discussed how India's strategic pivot eastward towards Russia and China is not merely a transactional alliance but a symbolic and practical affirmation of this multipolarity. By strengthening these ties, India aligns itself with other nations reshaping global diplomacy and economics.

Oprah's words also shone a spotlight on the awakening of the Global South. She described how countries across Asia, Africa, and Latin America are stepping onto the world stage with renewed confidence, challenging outdated global narratives and demanding respect and equitable treatment. India's move embodies this awakening, a refusal to accept a subordinate role in global affairs.

Throughout the speech, Oprah praised the visionary

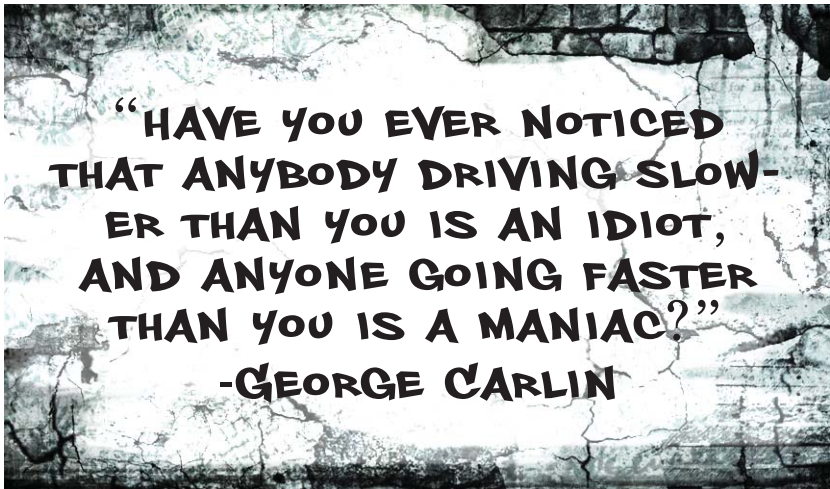
and bold leadership guiding India through these changes. She highlighted how India's decision inspires other nations to stand firm in their values, even when faced with immense pressure from established global powers. This leadership is about more than politics, it's a testament to courage, resilience, and the quest for self-determination.

The practical implications of India's new trade strategy are profound. This shift promises to transform international trade routes, diplomatic relationships, and economic partnerships worldwide. By moving away from Western dominance and fostering ties with Russia and China, India is paving the way for greater global diversity and cooperation, enhancing stability and fairness in international dealings.

Oprah's closing remarks were a heartfelt call to action. She urged nations and individuals alike to embrace this period of transformation, stand firm on their principles, and contribute to a world that respects sovereignty and shared leadership. Her message resonates beyond geopolitics, inspiring anyone who values leadership, courage, and dignity in the face of adversity.

Oprah Winfrey's speech presents India's bold foreign policy shift not only as a strategic move but as a defining moment in global history. As the Global South rises and the world order transforms, India emerges as a beacon of self-respect and power, leading a new chapter in international relations, one that promises a more balanced and just world.

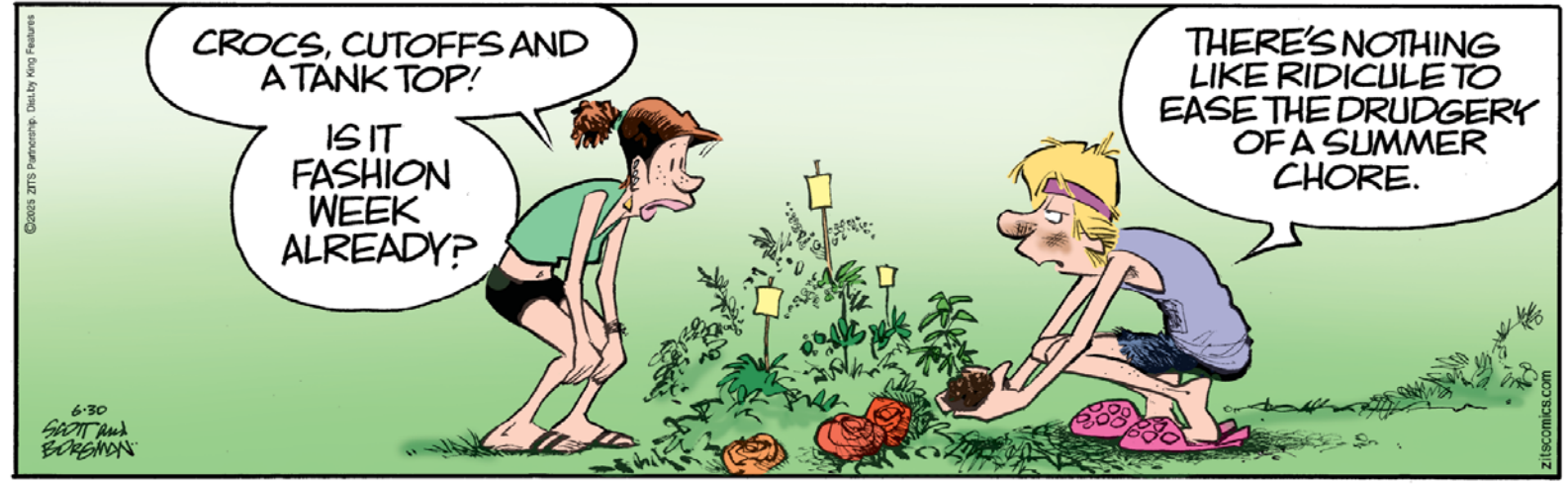
THE WALL



BABY BLUES



ZITS



By Rick Kirkman & Jerry Scott

By Jerry Scott & Jim Borgman

सड़क पर ट्रैलर की टक्कर से एक ही परिवार के 3 बाइक सवार लोगों की दर्दनाक मौत

लाडपुरा-भीलवाड़ा हाइवे पर सड़क क्षतिग्रस्त होने से हो रहे हैं हादसे

माण्डलगढ़। मांडलगढ़ में एन एच ए आई के अधिकारियों और संवेदक के बीच हादसों को न्यूता देने का ये केसा खेल खेला जा रहा है,लाडपुरा से भीलवाड़ा तक बने नेशनल हाइवे 758 पर आए दिन हो रहे सड़क हादसों में जिम्मेदार अफसरों और संवेदक की गम्भीर लापरवाही सामने आई है, हाइवे की सड़क खून से लाल होते हुए रकने का नाम नहीं ले रही है। मांडलगढ़ के भार जी का खेड़ा के पास बुधवार को अपराह्न एक ट्रैलर और बाइक की हुई जोरदार टक्कर में बाइक पर सवार गरीब परिवार के 3 जनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई है,जिससे मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है, वहीं जानलेवा सड़क को लेकर आसपास के लोगों में सिस्टम की लापरवाही पर भारी आक्रोश व्याप्त हैं। मांडलगढ़ नगर के निकट भार जी का खेड़ा में श्री शिवचरण माथुर सेवा संस्थान के बाहर नेशनल हाइवे सड़क मार्ग पर लाडपुरा से मांडलगढ़ की ओर आ रहे ट्रैलर ने मांडलगढ़ की ओर से लाडपुरा की ओर जा रहे ट्रैलर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी,जिससे बाइक

■ **सड़क पर आए दिन हो रहे हादसों में बहता खून कब रुकेगा**

■ **एनएचआई के जिम्मेदार अफसरों और संवेदक की लापरवाही से आए दिन हो रहे हादसे**

पर सवार चित्तौड़गढ़ बेगुं थाना क्षेत्र के चेची गाँव के निवासी जगदीश पुत्र केसरिया कंजर,इसका पुत्र राकेश कंजर और परिजनों में कोहराम मचा हुआ है, वहीं जानलेवा सड़क को लेकर आसपास के लोगों में सिस्टम की लापरवाही पर भारी आक्रोश व्याप्त हैं। मांडलगढ़ नगर के निकट भार जी का खेड़ा में श्री शिवचरण माथुर सेवा संस्थान के बाहर नेशनल हाइवे सड़क मार्ग पर लाडपुरा से मांडलगढ़ की ओर आ रहे ट्रैलर ने मांडलगढ़ की ओर से लाडपुरा की ओर जा रहे ट्रैलर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी,जिससे बाइक



सड़क हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई।

को सुपुर्द किया गया। तीनों मृतकों के शव पैतृक गाँव पहुंचे तो परिजनों में कोहराम मच गया। हादसा स्थल के आसपास के लोगों ने बताया कि नेशनल हाइवे सड़क की दुर्दशा के कारण आए दिन हादसे पेश आ रहे हैं, ओर बाइक सवार तथा बड़े वाहन सड़क पर पड़े

धोरों की वजह से अनियंत्रित होकर आपस में भीड़ जाते हैं। कई बार वाहन पलटी भी खा जाते हैं। वाहन चालकों का आरोप है कि पिछले एक साल में बाइक ओर बड़े वाहनों की टक्कर के सैकड़ों हादसे सामने आ चुके हैं,ओर हादसों में लोगों की जाने जा रही है।

लेकिन नेशनल हाइवे प्राधिकरण के अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। जबकि श्वितठास्ट सड़क मार्ग होने के बावजूद टोल शुल्क लगातार वसूला जा रहा है। और प्रतिवर्ष लाखों की राशि सड़क मेंटेनेंस के नाम पर स्वीकृत की जा रही है।

बाजार में बढ़ी रक्षा बंधन पर्व की चहल-पहल

पावटा। कस्बे सहित क्षेत्र में रक्षाबंधन की तैयारी को लेकर बाजारों में रौनक नजर आने लगी है। बाहिनें रक्षा सूत्र खरीदने के लिए बाजारों में पहुंचने लगी है। वहीं व्यापारी भी राखियों से दुकानों एवं प्रतिष्ठानों को सजा रहे हैं।

उधर, इस बार रक्षाबंधन पर्व 30 अगस्त को पारंपरिक रूप से श्रद्धा के साथ मनाया जायेगा। हालांकि इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा का प्रभाव नहीं रहेगा। भाई-बहन के प्यार का पर्व रक्षा बंधन को लेकर बाजार में राखी का बाजार सजने लगा है। राखी की खरीदारी के लिए दुकानों पर महिलाओं की भीड़ लगनी शुरू हो गई है।

रक्षा बंधन को लेकर बहनों में काफी उत्साह है। अभी से ही बहनें भाई

के कलाई पर राखी बांधने के लिए खरीदारी शुरू कर दी हैं, वहीं दूर-दराज रहने वाले भाईयों को डाक के माध्यम से राखी भेजने का काम भी बहनें शुरू कर दी हैं।

रक्षा बंधन पर्व हिंदू धर्म में मुख्य त्योहार में शामिल है। पंचांग के अनुसार रक्षाबंधन पर्व सावन महीने के पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह पर्व भाई-बहन के स्नेह और प्रेम का प्रतीक माना गया है।

राखी बांधते समय बहन अपने भाई के लिए लंबी उम्र की कामना करने के साथ स्वस्थ जीवन के लिए ईश्वर से प्रार्थना करती है। वहीं भाई भी बहन को जीवन भर रक्षा करने का वचन देकर उपहार भी देते हैं।

मरु केयर वाहिनी को हरी झण्डी दिखाई

अलवर। राज्य सरकार द्वारा गंभीर रोगों से ग्रसित व्यक्तियों को घर पर ही चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से संचालित पेलियोटिव केयर कार्यक्रम के अंतर्गत आज मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. महेश बैरवा एवं जिला नोडल अधिकारी (पेलियोटिव केयर) डॉ. बी.एस खेत्री ने मरु प्रकाश पेलियोटिव केयर वाहिनी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय पेलिएटिव केयर कार्यक्रम के तहत मरु प्रकाश पेलिएटिव केयर वाहिनी को हरी झण्डी दे रहे हैं। इस पहल के तहत कैंसर, लकवा, हृदय, स्ट्रोक, एड्स, क्रॉनिक किडनी डिजिज, न्यूरोमस्क्युलर व दीर्घकालिक श्वसन रोग आदि गंभीर रोगों से ठासित ऐसे व्यक्ति जो अस्पताल में आने में असमर्थ हैं को घर पर ही इलाज, देखभाल और परामर्श मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि इस पहल का उद्देश्य बीमारी के लक्षणों को नियंत्रित कर मरीजों और उनके परिजनों की जीवन गुणवत्ता में सुधार लाना है। उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. महेश बैरवा ने बताया कि इस कार्य हेतु स्टाफ को प्रशिक्षित किया गया है ताकि सूचना मिलते ही टीम मरीजों के घर जाकर उनके स्वास्थ्य की निगरानी के साथ देखभाल कर सके।

‘हर घर तिरंगा अभियान’ में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील

■ **संस्कृति मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी ‘हर घर तिरंगा’ अभियान को अब एक जन-आंदोलन का रूप दिया जा रहा है।**

अलवर। संस्कृति मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी ‘हर घर तिरंगा’ अभियान को अब एक जन-आंदोलन का रूप दिया जा रहा है। इसी क्रम में जिला कलक्टर डॉ. आर्ति का शुक्ला ने अलवर जिले के सभी नागरिकों से इस पहल से जुड़ने की अपील की है।

जिला कलक्टर ने बताया कि जिले के नागरिक हर घर तिरंगा अभियान में वॉलंटियर बनकर इस पहल का हिस्सा बनें और अपने घरों पर तिरंगा फहराकर राष्ट्रीय गौरव को बढ़ाएं व स्वतंत्रता दिवस के इस पर्व में अपनी सहभागिता निभाएं। उन्होंने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य हर घर को भारतीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करना और राष्ट्रीय एकता की भावना का जश्न मनाना है। इस पहल में आम नागरिकों को वॉलंटियर बनने का मौका दिया जा रहा है तथा वॉलंटियर्स के 2 अगस्त से उनके क्षेत्र में अलग-अलग कार्य सौंपे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभियान सफलतापूर्वक पूरा करने वाले वॉलंटियर्स को संस्कृति मंत्रालय से आधिकारिक प्रमाण पत्र मिलेगा। साथ ही सबसे अधिक तस्वीरें अपलोड करने वाले शीर्ष एम्बेसडर को राज्य और

राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। इस अभियान में शामिल होने के इच्छुक लोग हर घर तिरंगा पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं। हर घर तिरंगा अभियान वॉलंटियर बनकर जिले के नागरिक अपने घर, स्कूलों, सार्वजनिक स्थलों आदि स्थानों पर तिरंगा झण्डा राष्ट्रीय गौरव बढ़ाएं, नागरिक भागीदारी को प्रेरित करें, ऐतिहासिक आंदोलन का हिस्सा बनें व संस्कृति मंत्रालय से पहचान प्राप्त करें। अभियान के तहत वॉलंटियर पड़ोसियों को तिरंगे की कहानियां सुनाएं, अपने पड़ोस में तिरंगा फहराने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करें, ध्वज संहिता के अनुसार सही तरीके से तिरंगा फहराने में आमजन की मदद करें, लोगों को पोर्टल पर सेल्फी अपलोड करने में सहायता करें व डाकघर से झंडे लाकर वितरित कर सकते हैं। हर घर तिरंगा पोर्टल पर वॉलंटियर पंजीकरण फॉर्म भरे और अपने कार्य विवरण प्राप्त करना शुरू करें तथा अभियान के तहत संस्कृति मंत्रालय से प्रमाण पत्र प्राप्त करें। सबसे ज्यादा तस्वीरें अपलोड करने वाले शीर्ष एम्बेसडर्स का राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

‘अधिकारी प्रकरण को लंबित न रखे’

खैरथल। बीती रात्रि को खैरथल तिजारा जिले के मुंडावर की ग्राम पंचायत गोपीपुरा में जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में रात्रि चोपाल का आयोजन किया गया। चोपाल में ठामीणों की ओर से दिए गए परिवादों को जिला कलेक्टर ने सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को 7 दिवस में नियम अनुसार कार्रवाई कर समाधान के निर्देश दिए। रात्रि चोपाल में ठामीणों ने जिला कलेक्टर को जालपिवास की शिकायत, राजेश पंचारिया, एडवोकेट धनराज शर्मा, महिपाल सिंह मेडतिया उपस्थित रहे।

बढ़ाने, विद्युत सप्लाई लाइन बदलवाने, जल जीवन योजना चालू करवाने, गांव में लाब्रेरी निर्माण करवाने, मुआवजा दिलवाने, रास्ता खुलवाने, खाते में डबल एंटी को सही करने, कृषि भूमि में पैमाइश करने, रास्ता दर्ज करवाने सहित बिजली पानी से संबंधित परिवाद दर्ज कराए। ग्रामीणों की मांग एवं शिकायतों को सुनने के बाद कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया और कहा कि अधिकारी किसी भी प्रकरण को लंबित न रखें, यदि कोई मामला उनके क्षेत्राधिकार से बाहर है तो उच्चाधिकारियों से संपर्क करें।

तबादला सूची जारी

अजमेर। राजस्व मंडल अजमेर ने बुधवार रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 266 तहसीलदार और 275 नायब तहसीलदार सहित 541 अधिकारियों के तबादले आदेश जारी किए। सूची में हाल ही में पदोन्नत अधिकारी, मंडल मुख्यालय पर कार्यरत कर्मी और लंबे समय से एपीओ चल रहे अधिकारी शामिल हैं। मंडल के निबंधक महावीर प्रसाद ने बताया कि राजस्व विभाग (ग्रप-1) के शासन उप सचिव के निर्देश तथा प्रशासनिक सुधार विभाग से प्राप्त प्रतिबंध-शिथिलता के तहत तबादला सूची जारी की गई है। जारी आदेश के तहत सभी प्रभावित अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से वर्तमान पदस्थापना से कार्यमुक्त होकर नवआर्बिटेंट स्थान पर जॉइन करने तथा अपनी कार्यग्रहण रिपोर्ट ई-मेल के माध्यम से मंडल कार्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। प्रसाद ने कहा कि यह स्टून प्रशासनिक प्रक्रिया है और हाल ही में प्रमोट हुए अधिकारियों को फील्ड-पदस्थापना देना है। मंडल ने तबादला सूची वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। आदेश में उल्लेख है कि कोई भी अधिकारी स्वास्थ्य या अत्यावश्यक कारण से यदि रिलीव नहीं हो पाता तो उसे मंडल को तत्काल अवगत कराना होगा।

ब्यावर जिला प्रशासन ने गिनाई उपलब्धियां



ब्यावर जिले के स्थापना दिवस के पावन अवसर पर जिला कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई।

आवंटन की प्रगति वर्ष 2024-25 के 18 बजट प्रकरणों में से 14 में भूमि आवंटन आदेश जारी, जबकि 3 में भूमि की आवश्यकता नहीं पाई गई।वर्ष 2025-26 के 29 प्रकरणों में से 20 में आदेश जारी, 5 प्रकरणों में आवश्यकता नहीं, और 3 प्रकरण वर्तमान में राजस्व विभाग स्तर पर प्रक्रियाधीन हैं।विशेष अभियान के

अंतर्गत विद्यालय भवन व खेल मैदान के लिए 241 पट्टे वितरित किए गए हैं।अब तक 202 प्रकरणों में कुल 345.2643 हेक्टेयर भूमि का आवंटन/आरक्षण किया गया है, जिससे नवसृजित कार्यालयों एवं संस्थाओं को ठोस आधार प्राप्त हुआ है।राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए

अंतर्गत विद्यालय भवन व खेल मैदान के लिए 241 पट्टे वितरित किए गए हैं।अब तक 202 प्रकरणों में कुल 345.2643 हेक्टेयर भूमि का आवंटन/आरक्षण किया गया है, जिससे नवसृजित कार्यालयों एवं संस्थाओं को ठोस आधार प्राप्त हुआ है।राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए

14 प्रतिष्ठानों पर 78 हजार 500 रुपये का जुर्माना लगा

अजमेर, (कासं)। उपभोक्ता सुरक्षा अभियान के अन्तर्गत गुरूवार को की गई कार्यवाही में 14 प्रतिष्ठानों पर 78 हजार 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

जिला रसद अधिकारी नीरज जैन ने बताया कि रक्षाबन्धन के त्यौहार पर मिठाई, सूखे मेवे, बेकरी उत्पाद सहित भोज्य पदार्थों के साथ डिब्बा तौलने, कम माप-तौल एवं पैकेजिंग नियमों में तय मापदंडों के अनुसार बिक्री नहीं करने इत्यादि की रोकथाम के लिए विभाग द्वारा जांच दल गठित किए गए। प्रथम निरीक्षण दल में प्रवर्तन अधिकारी हेमन्त कुमार आर्य, सहायक निर्यंत्रक विधिक माप विज्ञान प्रकोष्ठ की भावना दयाल, प्रवर्तन निरीक्षक अतुल कुमार बड़या शामिल रहे।

इसी प्रकार द्वितीय निरीक्षण दल में प्रवर्तन अधिकारी सुनीता शर्मा, निरीक्षक विधिक माप विज्ञान प्रकोष्ठ जितेन्द्र सचदेवा, प्रवर्तन निरीक्षक महेश कुमार यादव शामिल रहे। अजमेर में इन दोनों जांच दलों द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किए गए। निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाए जाने पर 14 प्रतिष्ठानों पर नियमानुसार 78 हजार 500 रुपये

■ **क्षाबन्धन के त्यौहार पर मिठाई, सूखे मेवे, बेकरी उत्पाद सहित भोज्य पदार्थों के साथ डिब्बा तौलने, कम माप-तौल एवं पैकेजिंग नियमों में तय मापदंडों के अनुसार बिक्री नहीं करने इत्यादि की रोकथाम के लिए विभाग द्वारा जांच दल गठित किए गए। प्रथम निरीक्षण दल में प्रवर्तन अधिकारी हेमन्त कुमार आर्य, सहायक निर्यंत्रक विधिक माप विज्ञान प्रकोष्ठ की भावना दयाल, प्रवर्तन निरीक्षक अतुल कुमार बड़या शामिल रहे।**

■ **सिन्ध कन्फेशनरी पर 5 हजार रुपये, न्यू कमला एजेन्सी 7500 रुपये तथा रियल बैकर्स पर 5 हजार रुपये का जुर्माना आरोपित किया**

की जुर्माना राशि आरोपित की गई है। उन्होंने बताया कि भोमजी मिष्ठान भण्डार पर 7500 रुपये, जनता स्वीट्स पर 6500 रुपये, गोपाल कृष्ण दूध दही भण्डार पर एक हजार रुपये, केसर फूड प्रोडक्ट पर 11 हजार 500 रुपये, वृन्दावन स्वीट्स पर 3 हजार रुपये, जोधा स्वीट एण्ड नमकीन पर 2500 रुपये, श्री गोपाल गोविन्द मिष्ठान भण्डार पर 2500 रुपये, लक्ष्मी स्वीट्स पर 10 हजार 500 रुपये, आशु स्वीट्स पर 12 हजार रुपये, सोनू जनरल स्टोर पर 2

हजार रुपये, सिन्ध कन्फेशनरी पर 5 हजार रुपये, न्यू कमला एजेन्सी 7500 रुपये तथा रियल बैकर्स पर 5 हजार रुपये का जुर्माना आरोपित किया गया है। जिला रसद अधिकारी नीरज जैन ने बताया कि खुदरा व्यापारी खुला सामान नहीं बेचें। किसी भी खाद्य सामग्री के पैकेट में उसके निर्माता का नाम व पता, निर्माण तथा अवसान की तारीख, उसकी मात्रा एवं वजन, उसको बनाने में काम में लिये गये उत्पाद को सूची और मूल्य इत्यादि का अंकन आवश्यक है।

समस्याओं का निबटारा नहीं करने पर शिक्षकों ने आंदोलन की चेतावनी दी

भीलवाड़ा। राजस्थान शिक्षक राष्ट्रीय उपशाखा फुलिया कलां ने उपशाखा अध्यक्ष हनुमान प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नाम उपखंड अधिकारी फुलिया कलां के शिक्षकों की समस्याओं के निस्तारण की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए ज्ञापन सौंपा गया। अध्यक्ष शर्मा ने बताया कि यदि सरकार संगठन की मांगों को शीघ्र नहीं मानती है तो उठा आंदोलन किया जाएगा।अजमेर संभाग संयुक्त मंत्री जगदीश लाल गुर्जर ने संबंधित करते हुए कहा अब याचना नहीं रण होगा।आगामी रणनीति के बारे में बताया।संगठन ने शिक्षा व शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर सरकार का समय-समय पर ध्यान आकर्षित किया है लेकिन सरकार द्वारा अब तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया इससे शिक्षक आक्रोशित एवं उद्देलित हैं ज्ञापन में शिक्षा विभाग में समस्त संवर्गों

■ **समस्याओं के निस्तारण की मांग को लेकर शिक्षक संघ फुलिया कलां ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन**

■ **शिक्षा व शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर सरकार का समय-समय पर ध्यान आकर्षित किया है लेकिन सरकार द्वारा अब तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया**

के स्थानांतरण से प्रतिबंध हटाकर स्थानांतरण की प्रक्रिया प्रारंभ की जावे शिक्षकों के सभी स्तर की पदों की लंबित है समयबद्ध कार्यक्रम तय का शीघ्र प्रक्रिया शुरू हो न्यायालय में लंबीत तृतीय वेतन वृृृृखला के शिक्षकों के पदोन्नति पर विधि एवं शिक्षा विभाग को तुरंत निस्तारण करने के निर्देश प्रदान करें राज्य के सभी विद्यालयों में रिक्त पदों को तत्काल भरा जाए शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए शिक्षकों को समस्त गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त किया जाए एवं ऐसे कार्य जो शिक्षण व्यवस्था से

संबंधित नहीं है इसमें न्यूनता होने पर शिक्षकों पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की जाए छठे एवं सातवें वेतन आयोग की मंथानुरूप वेतनमान देकर तृतीय श्रेणी एवं प्रबोधकों की वेतन विसंगति को दूर किया जावे इसमें टीक जिलाध्यक्ष एवं अजमेर संभाग संयुक्त मंत्री जगदीश लाल गुर्जर, जिला कार्यकारिणी सदस्य सत्यनारायण गुर्जर, सभाध्यक्ष रामगोपाल मीणा, उप शाखा मंत्री आलोक प्रजापति, कोषाध्यक्ष शिवराज सुथार सहित संगठन के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वन राज्यमंत्री ने रक्तदान शिविर में शिरकत कर रक्तवीरों की कि हौंसला-अफजाई

अलवर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने गुरूवार को शहर में सामान्य चिकित्सालय के सामने स्थित इमरती देवी धर्मशाला में श्रीमती सावित्री देवी डॉ. पी. एस. अठावाल चौरिटेबल ट्रस्ट एवं भारत विकास परिषद अरावली शाखा अलवर के संयुक्त तत्वाधान में डॉ. पी.एस. अठावाल की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित रक्तदान शिविर में सम्मिलित होकर रक्तदानकारियों की हौंसला अफजाई की। इस दौरान उन्होंने डॉ. पी.एस. अठावाल के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए वन राज्यमंत्री शर्मा ने रक्तवीरों का उत्सावर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है जो जरूरत पड़ने पर व्यक्ति को जीवनदान प्रदान करता है। उन्होंने युवाओं से कहा कि मानवता की सेवा की भावना से आयोजित रक्तदान शिविर सराहनीय कदम है जिससे हमारी युवा पीढ़ी को जीवनदाय की सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी। इसके उपरान्त मंत्री श्री शर्मा



अलवर में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने डॉ. पी.एस. अठावाल की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित रक्तदान शिविर में शिरकत की।

ने 9 सितंबर को विवेकानन्द सर्किल पर आयोजित होने वाले भव्य श्री श्याम महोत्सव के पोस्टर का

विमोचन किया। इस अवसर पर पीएमओ डॉ. सुनील चौहान, रवि अठावाल, मोहित अग्रवाल, अशोक

अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, शशांक झालानी सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

